



Mr.



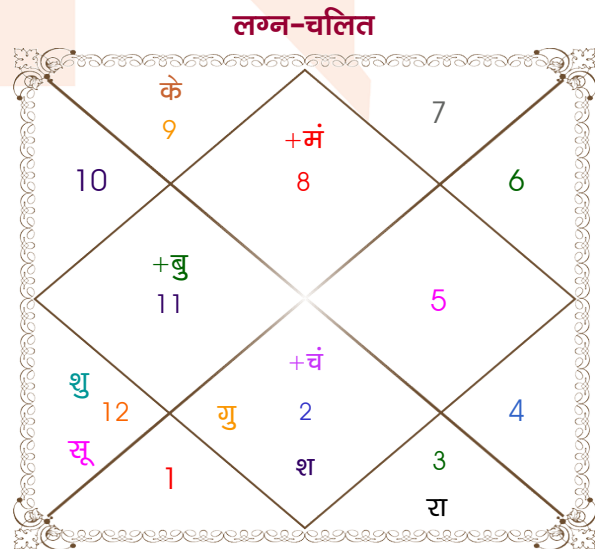
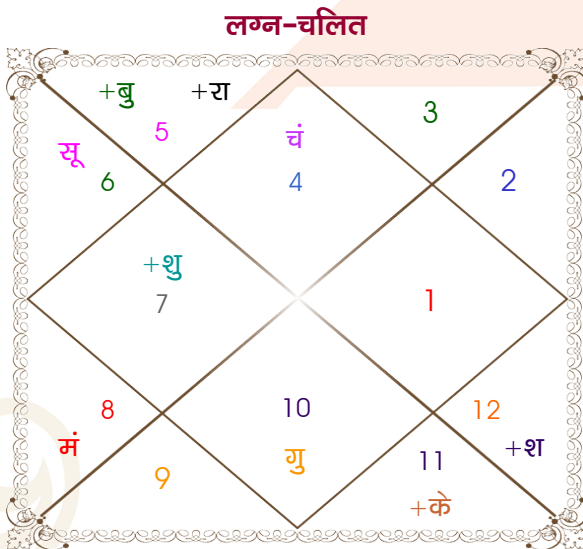
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120001602

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 25-26/09/1997 : _____ जन्म तिथि _____ 30/03/2001
 गुरु-शुक्रवार : _____ दिन _____ शुक्रवार
 घंटे 01:30:00 : _____ जन्म समय _____ 22:00:00 घंटे
 घटी 48:27:00 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 39:32:15 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Gwalior : _____ स्थान _____ Jhansi
 26:12:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 25:27:00 उत्तर
 78:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 78:34:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:15:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:07:12 : _____ सूर्योदय _____ 06:09:42
 18:09:30 : _____ सूर्यास्त _____ 18:31:11
 23:49:28 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:52:10

विंशोत्तरी शनि 16वर्ष 6मा 15दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 6वर्ष 9मा 20दि
बुध	07:04:24	कर्क	लग्न	वृश्चि	02:56:49	राहु
12/04/2014	08:57:14	कन्या	सूर्य	मीन	16:09:44	19/01/2008
12/04/2031	05:03:28	कर्क	चंद्र	वृष	23:42:17	18/01/2026
बुध	04:01:15	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	26:19:08	राहु
07/09/2016	24:53:12	सिंह	बुध	कुंभ	25:08:20	01/10/2010
केतु	18:31:18	मक व	गुरु	वृष	13:31:00	गुरु
05/09/2017	22:01:09	तुला	शुक्र व	मीन	15:20:17	01/01/2016
शुक्र	24:11:46	मीन व	शनि	वृष	03:46:48	शनि
06/07/2020	25:52:50	सिंह	राहु व	मिथु	16:52:45	बुध
सूर्य	25:52:50	कुंभ	केतु व	धनु	16:52:45	08/08/2019
12/05/2021	11:03:18	मक व	हर्ष	मक	29:33:59	शुक्र
चन्द्र	03:24:16	मक व	नेप	मक	14:26:51	07/08/2022
11/10/2022	09:31:15	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:21:55	सूर्य
मंगल						02/07/2023
09/10/2023						चन्द्र
राहु						31/12/2024
27/04/2026						मंगल
गुरु						18/01/2026
02/08/2028						
शनि						
12/04/2031						



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र पुष्य है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।